- **अंजना देवी**

- स्वतंत्रता सेनानी श्री रामनारायण चौधरी, की धर्मपत्नी।
- सन् 1921 से 1924 तक मेवाड़ व बूँदी राज्यों की स्त्रियों में राष्ट्रीयता, समाज-सुधार और सत्याग्रह का कार्य किया तथा महिलाओं के जुलूसों का नेतृत्व किया एवं जेल गई।

- **अखैराज देवड़ा (प्रथम)**

- सिरोही का शासक (1523-1533)। यह उडणा अखैराज कहलाता था
- यह महाराणा सांगा की ओर से खानवा के युद्ध में लड़ा था।

- **अखैराज सोनगरा**

- पाली का जागीरदार जो अपने समय का बड़ा नीतिकुशल योद्धा था। मारवाड़ में यह 'रोटेराव' के नाम से प्रसिद्ध है।

- **अचलदास खींची**

- गागरोण का शासक जो महाराणा मोकल का जामाता था। सन् 1423 में मालवा के सुल्तान होशंगशाह से लड़ता हुआ गागरोण गढ़ में मारा गया।

- **अचलेश्वरप्रसाद शर्मा**

- 1907 में जन्म- जोधपुर !
- बिजौलिया आन्दोलन में सक्रिय भाग ।
- साप्ताहिक पत्र 'प्रजा सेवक' के संस्थापक तथा सम्पादक ।

- **अज्जा झाला**

- बड़ी सादड़ी के जागीदार का पूर्वज जो हलवद (काठियावाड़) से मेवाड़ आया। वह 1527 में खानवा के युद्ध में वीरगति

- **अजयराज चाहमान (प्रथम)**

- शाकम्भरी शासक (1113-1133)।
- अजमेर शहर की स्थापना सन् 1113 में ।
- मालवा के शासक नरवर्मन को पराजित किया। सोमलदेवी रानी के नाम से सिक्के जारी किये।

- **अनुपसिंह राव**

- 1669 से 1698 तक बीकानेर का महाराजा रहा। बादशाह की ओर से इसे 'माही मरातिव' का सम्मान मिला था। वह स्वयं विद्वान था तथा विद्वानों का सम्मानकर्ता एवं आश्रयदाता था

- **अभित्र हरि**

- कोटा (हाड़ौती क्षेत्र) के स्वतंत्रता सेनानी तथा स्वतंत्रता संग्राम के सूत्रधार।
- दिल्ली में भारतीय देशीय राज्य प्रजा परिषद की स्थापना की।

**अर्णोराज चाहमान**

- अर्णोसागर झील का निर्माण
- पुष्कर में वराह का मंदिर बनवाया था।

**आवहजिलाई बाई**

- मांड गायिका' - 'मरु कोकिला' उपनाम
- प्रसिद्ध गीत - केसरिया बालम आवो नी पधारी म्हारे देश'
- 20 मई, 1982 को पद्मश्री सम्मान।
- राजस्थान रत्न से भी सम्मानित।
- 1992 में निधन

**आदित्येन्द्र (मास्टर)**

- जन्म 1907 में भरतपुर के धून गाँव में
- सन् 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान गिरफ्तार ।
- सन् 1954 से 1960 तक राज्यसभा के सदस्य रहे।

RAJASTHAN CLASSES

## सवाई जयसिंह

- आमेर के शासक 1727 ई. में जयपुर शहर बसाया।(विद्याधर भट्टाचार्य के सहयोग से)
- इन्होंने पाँच वेधशालाएं -जयपुर, उज्जैन, दिल्ली, बनारस एवं मथुरा (जन्तर-मन्तर) बनवाये।
- जयपुर में सिटी पैलेस (चन्द्रमहल) का निर्माण करवाया।
- हुरडा सम्मेलन – मराठो के विरुद्ध जयसिंह के प्रयासों से 17 जुलाई, 1734 को राजपूत राजाओं का हुरड़ा सम्मेलन
- 'जीज मोहम्मदशाही' -1725 ई. में नक्षत्रों की शुद्ध सारणी बनवायी ।
- ज्योतिष ग्रंथ- 'जयसिंह कारिका' ।
- अंतिम हिंदू नरेश, जिसने अश्वमेध यज्ञ संपन्न करवाया।
- वाजपेय, राजसूय, पुरुषमेध यज्ञ आयोजित
- 1714 ई. में वृन्दावन से गोविन्द देवजी मूर्ती की स्थापना , मंदिर राजस्थान में गौड़ीय संप्रदाय की पहली पीठ है।
- 1734 ई. में जयपुर में नाहरगढ़ /सुदर्शनगढ़ किले का निर्माण
- जयगढ़ में जयबाण तोप का निर्माण ।

## आनन्दराज सुराणा

- जोधपुर के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सैनानी
- 'मारवाड़ हितकारिणी सभा' द्वारा जन-आंदोलन चलाया
- गिरफ्तार किये जाने पर विशेष अदालत द्वारा 5 वर्ष के लिए बन्दी बनाये गये।

## महाराणा उदयसिंह सिसोदिया

- पिता – महाराणा सांगा
- राजगद्दी-1536 में विक्रमादित्य के बाद
- उदयपुर की स्थापना - 1559 में
- बादशाह अकबर के चित्तौड़ पर आक्रमण के कारण चित्तौड़ छोड़कर वह कुंभलमेर, गोगून्दा आदि, स्थानों में रहे!

## कंवरसेन

- इंदिरा गाँधी नहर के योजनाकार। सन्
- 1956 में पद्मभूषण अलंकरण से विभूषित।

## कर्पूरवन्द्र कुलिश

- राजस्थान पत्रिका संपादन, वैदिक साहित्य के विद्वान।

## कर्मचन्द परमार

- अजमेर-मेरवाड़ा के रावत राधा का पुत्र। मेवाड़ का सांगा महाराणा बनने के पहले इसी के पास गुप्त रूप में रहा। ›

## अमरसिंह राठौड़:

- जोधपुर के महाराजा गजसिंह के ज्येष्ठ पुत्र राव की उपाधि / नागौर का परगना - शाहजहाँ द्वारा
- मतीरे की राड़ (युद्ध) अमरसिंह ने 1644 में बीकानेर के राजा कर्णसिंह से ।'
- अमरसिंह रा ख्याल'-अमरसिंह की वीरता

## महाराजा सवाई प्रतापसिंहः

- जयपुर महाराजा माधोसिंह के पुत्र
- ग्रंथ 'ब्रजनिधि' ग्रंथावली के नाम से ।
- हवामहल का निर्माण –
  - 1799 ई. में जयपुर में 5 मंजिला
  - भगवान विष्णु को समर्पित,
  - इसमें 953 खिड़कियाँ ।
  - वास्तुकार -उस्ताद लालचन्द्र ।
- प्रताप बाईसी/गंधर्व बाईसी - 22 विद्वान
- संगीत गुरु -चाँद खाँ ('बुद्ध प्रकाश' की उपाधि -प्रतापसिंह द्वारा)।
  - चाँद खां की रचनाएं- 'ब्रजनिधि मुक्तावली', 'ब्रज श्रृंगार', 'ब्रजनिधि पद', 'प्रीतिलता', 'प्रेम प्रकाश', 'प्रीति पच्चीसी', 'प्रेम पंथ', 'स्नेह संग्राम', 'मुरली विहार', 'फागरंग', 'रंग चौपड़' एवं 'रमक झमक बत्तीसी' आदि
- प्रतापसिंह के काव्य गुरु - 'गणपति भारती'

RAJASTHAN CLASSES

- दरबारी कवि पुण्डरीक विट्ठल के संगीत ग्रन्थ-'नर्तन निर्णय', 'ब्रजकला निधि', 'राग चन्द्रसेन

### महाराजा मानसिंह (जोधपुर):

- गिंगोली का युद्ध (13 मार्च, 1807) - मेवाड़ राजकुमारी कृष्णाकुमारी से विवाह को लेकर जयपुर के जगतसिंह के साथ को, जिसमें मानसिंह पराजित हुआ।
- पायस देवनाथ - मानसिंह के गुरू
- महामंदिर का निर्माण - नाथ संप्रदाय पीठ
- जोधपुर में मान पुस्तकालय की स्थापना,

### लक्ष्मणसिंह -

- डूंगरपुर के शासक (1918 से 1948 ई.)।
- राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष भी बने।

### महाराजा गंगासिंह:

- 'गंगा रिसाला सेना' - चीन के बॉक्सर विद्रोह को दबाने के लिए चीन गए अंग्रेजों ने इन्हें 'चीन युद्ध मेडल' प्रदान किया।
- नरेन्द्र मंडल- 1921 से 1925 ई. तक प्रथम अध्यक्ष , तीनों गोलमेज सम्मेलन में भाग
- पंजाब से 'गंगनहर' लाने का श्रेय

### राणा हम्मीर:

- 1282 ई. में राज्यारोहण के साथ दिग्विजय की नीति अपनाई। 1291 ई. में जलालुद्दीन खिलजी ने रणथम्भौर पर आक्रमण किया, मगर उसे सफलता नहीं मिली।
- रणथम्भोर का प्रथम साका -1301 ई. में अलाउद्दीन और हम्मीर के मध्य
- अलाउद्दीन ने हम्मीर के सेनानायक रणमल और रतिपाल को लालच देकर किले मे प्रवेश
- रानी रंगदेवी के नेतृत्व में जौहर
- नयनचन्द्र सूरि 'हम्मीर महाकाव्य', जोधराज के 'हम्मीर रासो' एवं चन्द्रशेखर के 'हम्मीर हठ' नामक ग्रंथों से हम्मीर के शौर्य की जानकारी मिलती है।
- हम्मीर - 16 युद्धों का विजेता (उपनाम)

### महाराजा सूरजमल

- बदनसिंह का पुत्र और उत्तराधिकारी था।
- लोहागढ़ का निर्माण व राजधानी- भरतपुर
- उपनाम- 'जाटों का प्लेटो' व अफलातून

### सावंतसिंह (नागरीदास)

- किशनगढ़ के महाराजा राजसिंह के पुत्र
- काव्यनाम - नागरीदास
- ग्रंथों का संकलन - 'नागर समुच्चय' ग्रंथ (77 विभिन्न रचनाओं का संग्रह)
- 'बणीठणी' इनकी प्रमुख चित्रकृति।

### जॉर्ज थॉमस:

- आयरलैण्ड के निवासी थॉमस राजस्थान में जॉर्ज फिरंगी के नाम से प्रसिद्ध ।
- 1799 ई. में जयपुर व बीकानेर में कई युद्ध लड़े और अम्बाजी इंगले की सेवा मे रहे!

### कवि श्यामलदास दधिवाड़िया:

- महाराणा सज्जनसिंह के कृपापात्र
- 'कविराज' की उपाधि - सज्जनसिंह ने ।
- महामहोपाध्याय खिताब-अंग्रेज सरकार ने
- 'केसर-ए-हिन्द' की उपाधि - मेवाड़ के पॉलिटिकल एजेन्ट कर्नल इम्पी ने
- प्रमुख ग्रन्थ-'वीरविनोद'

### अमृता देवी विश्नोई (खेजडली):

- 1730 ई. में खेजड़ली आंदोलन का नेतृत्व
- स्मृति में विश्व का एकमात्र वृक्ष मेला- भाद्रपद शुक्ल दशमी को खेजड़ली गाँव में
- 1994 ई. से अमृतादेवी पुरस्कार शुरू !

### गोरा व बादल:

- चितोड़ साका - 1303 ई. में रावल रत्नसिंह व अलाउद्दीन खिलजी के मध्य ।
- गोरा व बादल वीर गति को प्राप्त
- चित्तौड़गढ़ दुर्ग में - गोरा-बादल महल बने

RAJASTHAN CLASSES

### शिवसिंह (चूरू):

- चूरू के ठाकुर हरिसिंह का ज्येष्ठ पुत्र जो सन् 1783 में राजगद्दी पर बैठा।
- बीकानेर व अंग्रेजो के आक्रमण के दौरान चांदी के गोले दागने हेतु प्रसिद्ध

### गौरा धायः

- अपूर्व त्याग व स्वामिभक्ति के कारण इसका नाम मारवाड़ के राष्ट्रीय गीतो मे !
- जोधपुर के रतना टाक की पुत्री
- 1679 में मारवाड़ के राजकुमार अजीत सिंह को वीर दुर्गादास के सहयोग से मुगलों से सुरक्षित निकाला
- गोरा घाय की माँ रूपा घा जोधपुर के महाराजा जसवंतसिंह की धाय थी।

### रानी उमादे :

- जैसलमेर रावल लूणकरण की पुत्री
- जोधपुर राव मालदेव की पत्नी-अपने मान के कारण आजीवन मालदेव से रूठी रही
- स्वाभिमानी रानी, 'रूठी रानी' नाम से !
- 'आसा' चारण ने उमा दे को दोहा सुनाया- "मान रखे तो पीव तज, पीव रखे तज मान दोय गवन्द न बन्ध ही, एकण खम्भे ठॉण"
- 1547 ई. में वह अपने दत्तक पुत्र राम के साथ गूँदोंज व केलवा मे रही
- राव मालदेव की मृत्यु (1562) पर सती

### गुलाबराय :

- जोधपुर के महाराजा विजयसिंह की पासवान ('जोधपुर की नूरजहाँ')
- जोधपुर में बने गुलाब सागर व महिला बाग़ का झालर का निर्माण – 1776 ई मे

### गुमान कुँवरी :

- डूंगरपुर के महारावल जसवंत सिंह की राठौड़ रानी,
- डूंगरपुर की केला बावड़ी का निर्माण ।

### कर्नल जेम्स टॉड:

- 1829 ईस्वी में टॉड ने राजस्थानी इतिहास की प्रसिद्ध पुस्तक 'Annals and Antiquities of Rajasthan (Central and Western Rajpoot States of India) की रचना की
- सन् 1839 में इन्होंने 'Travels in Western India' की रचना की।
- राजस्थान के इतिहास लेखन का पितामह
- पहला ग्रंथ अपने साहित्यिक गुरु जैन यति ज्ञान चंद जी को समर्पित किया।
- अन्य पुस्तक -On the Religious Establish-ments of Mewar (1830)

### पन्ना धायः

- स्वामिभक्त पन्नाधाय ने 1536 ई. में अपने पुत्र को उदयपुर के राजकुँवर उदयसिंह के स्थान पर सुलाकर बनवीर के हाथों मरवा कर उदयसिंह को बचा लिया। वे उदयसिंह को लेकर देवलिया (प्रतापगढ़) चली गई।

### पत्ता सिसोदिया:

- मेवाड़ के आमेट ठिकाने का सामंत। बादशाह अकबर के सन् 1567 में चित्तौड़ आक्रमण के समय वह जयमल राठौड़ के साथ मुगल सेना से लड़ता मारा गया। बादशाह ने इनकी वीरता से प्रसन्न होकर आगरा किले में जयमल एवं इसकी मूर्ति स्थापित कराई।

### जोधपुर महाराजा जसवंत सिंह (प्रथम)

- जोधपुर महाराजा गजसिंह के द्वितीय पुत्र
- डिंगल/पिंगल के ज्ञाता व काव्य सर्जक
- प्रमुख ग्रंथ -भाषा भूषण ,अनुभव प्रकाश,आनंद विलास, सिद्धान्त सार, अपरोक्ष सिद्धान्त बोध, आनंद विलास, चन्द्र प्रबोध
- महाराजा के काव्य गुरु - सूरति मिश्र
- प्रसिद्ध कवि नरहरिदास तथा नवीन कवि उन्हीं के आश्रय में रहते थे।

RAJASTHAN CLASSES

### प्रतापसिंह नरूका:

- 1775 ई. में अलवर राज्य की स्थापना की।
- 1765 ई. में मावण्डा युद्ध में जवाहरसिंह जाट के विरुद्ध जयपुर नरेश माधोसिंह को सहायता दी थी। भरतपुर नरेश के विरुद्ध मुगल बादशाह को इसने सहायता दी थी,
- बादशाह ने 1774 ई. में इसको रावराजा बहादुर की उपाधि व 5 हजार मनसब

### अमरकुँवरी

- कछवाहा शासक सवाई जयसिंह की बहन
- बूंदी के राव बुद्धसिंह हाड़ा की रानी,
- जिसने सवाई जयसिंह के दामाद दलेलसिंह को हटाकर उम्मेदसिंह को बूँदी का शासक बनाने हेतु मराठों को बूंदी आमंत्रित किया,मराठों को राजपूताने में हस्तक्षेप करने न्योता

### हीरालाल शास्त्री:

- जयपुर में स्वतंत्रता सेनानी
- राजस्थान के प्रथम मुख्यमंत्री
- जन्म-जोबनेर - 24 नवम्बर, 1899 को
- प्रथम मनोनीत मुख्यमंत्री (1949)
- वनस्थली टोंक मे में 'जीवन कुटीर' नामक संस्था की स्थापना की।
- जयपुर में प्रजामण्डल सक्रिय सदस्य रहे।
- 'अखिल भारतीय देशी राज्य लोकपरिषद्' के प्रधानमंत्री भी रहे।
- स्वर्गवास-16 /12/ 1974 - वनस्थली में
- आत्मकथा 'प्रत्यक्ष जीवन शास्त्र' व 1930 में एक गीत 'प्रलय-प्रतीक्षा नमो नमो' लिखा

### कर्पूरचन्द पाटनी:

- जयपुर के स्वतंत्रता सेनानी अपना जीवन सन् 1920 ई. में खादी बेचने से शुरू किया।
- जयपुर राज्य प्रजामंडल की स्थापना की।

### कालीबाई :

- 13 वर्षीय भील बालिका जिसे डूंगरपुर के रास्तापाल ग्राम की पाठशाला में अपने अध्यापक श्री सेंगाभाई को छुड़ाने के प्रयास में रियासती सैनिकों ने गोलियों चला दी..
- 19 जून, 1947 ई. को उसकी मृत्यु हो गई।

### श्रीमती जानकी देवी बजाज:

- सेठ जमनालाल बजाज की धर्मपत्नी व सेठ गिरधारीलाल जाजोदिया की पुत्री
- जन्म-7 /1/1893 ई. को जावरा (म.प्र.) में।
- नारी जागरण, खादी पहनना, प्राकृतिक चिकित्सा, गौसेवा, कुओं का निर्माण, गौ सेवा, भूदान यज्ञ आदि महत्वपूर्ण कार्य !
- भारत सरकार ने 1956 ई. में पद्म विभूषण
- पद्म विभूषण प्राप्त - राजस्थान की प्रथम महिला व प्रथम व्यक्तित्व ।
- निधन- 21 मार्च, 1979 ई. को वर्धा में ।

### श्रीमती किशोरी देवी:

- शेखावाटी के लौह पुरुष सरदार हरलाल सिंह की धर्मपत्नी
- कटराथल सम्मेलन की अध्यक्षता- सीहोर के ठाकुर द्वारा जाट महिलाओं के साथ किए गए दुर्व्यवहार का विरोध करने के लिए 25 अप्रैल, 1934 ई. को कटराथल में हुए एक विशाल महिला सम्मेलन में 10000 जाट महिलाओं ने भाग लिया।
- श्रीमती किशोरी देवी ने अपने गाँव हनुमानपुरा और झुंझुनूं में स्त्री शिक्षा की सार्थक शुरुआत की।

### सेठ दामोदर दास राठी

- जन्म- 8 फरवरी 1884 को पोकरण में।
- क्रांतिकारी गतिविधियों मे धन सहायता
- 1915 मे रासबिहारी बोस को सहायता
- कृष्णा मिल्स, ब्यावर के संस्थापक !

RAJASTHAN CLASSES

### रामनारायण चौधरी (1895-1989)

- राजस्थान के स्वतंत्रता सेनानी, गांधीवादी नेता और प्रमुख पत्रकार,
- जन्म- नीम का थाना (सीकर) में।
- जेल प्रवास के दौरान ही "MAN" नामक हस्तलिखित अंग्रेजी साप्ताहिक पत्र निकाला।
- 2 अक्टूबर, 1936 से अजमेर से साप्ताहिक 'नवज्योति' समाचार पत्र का प्रकाशन।
- फाउण्डर एडिटर कप्तान दुर्गाप्रिसाद चौधरी
- 1948 में यह साप्ताहिक के स्थान पर दैनिक समाचार-पत्र के रूप में प्रकाशित

### हरिभाऊ उपाध्याय –

- वास्तविक नाम - बद्रीनाथ।
- आदर्श पत्रकार, साहित्यकार व स्वतंत्रता सेनानी, सच्चे गांधीवादी व सर्वोदयी नेता।
- अजमेर-मेरवाड़ा के मुख्यमंत्री रहे।
- जन्म मालवा के गाँव 'भैरासा' में 1893 ई.।
- 'औदुम्बर' नामक मासिक पत्र - काशी से
- 1924 में 'मालव मयूर' पत्र निकाला।
- 1945 में इन्होंने हटूण्डी में 'महिला शिक्षा सदन' की स्थापना।
- निधन- अजमेर में 25 अगस्त, 1972 को।

### माणिक्यलाल वर्मा

- जन्म- 4 दिसम्बर, 1887 को बिजौलिया में
- आजन्म देश सेवा का व्रत लिया।
- लोकप्रिय गीत -पंछीड़ा।
- पुस्तक- मेवाड़ का वर्तमान शासन' जिसमे सामंती शासन के अत्याचारों वर्णन।
- 1938 में मेवाड़ प्रजामंडल की स्थापना की।
- संयुक्त राजस्थान के प्रधानमंत्री बने।

### गोकुलभाई भट्ट :

- जन्म- 1897 सिरोही जिले के हाथल में
- इनके प्रयास से आबू का राज्य में विलय
- सिरोही रियासत के प्रधानमंत्री
- राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष।

### प्रो. गोकुललाल असावा :

- जन्म- देवली में 2 अक्टूबर 1901 में
- 1945 में शाहपुरा राज्य प्रजामंडल के अध्यक्ष बने।
- राजस्थान संघ के प्रधानमंत्री भी बनाए गए

### प्रतापसिंह बारहठ :

- केसरीसिंह बारहठ के पुत्र, स्वतंत्रता के अन्यतम उपासक, साहित्यकार व आजादी के दीवाने।
- अपने चाचा जोरावसिंह के साथ मिल कर लार्ड हार्डिंग्ज के दिल्ली आगमन पर बम फेंका।
- 1918 में बरेली जेल में यातनाएँ देकर मार दिया। बनारस पडयंत्र केस में पकडे गए

### सागरमल गोपा :

- जैसलमेर के शहीद शिरोमणि,
- जैसलमेर के महारावल जवाहरसिंह के आदेश से जेल में अनेक शारीरिक और मानसिक यातनाएँ दी। जेल में जीवित जलाने से 4 अप्रैल, 1946 को इनका निधन हो गया
- पुस्तक-'जैसलमेर का गुंडाराज' नामक

- किशना भीलः बिजौलिया (भीलवाड़ा) किसान आंदोलन मे सक्रिय भूमिका।

### भवानीसहाय शर्माः

- जन्म-1909 ई. में राजगढ़ (अलवर) में। चन्द्रशेखर आजाद के विश्वासपात्र।
- वे दिल्ली पड्यंत्र केस में अभियुक्त बने तथा लोथन अभियोग में गिरफ्तार किये गये।
- अलवर के स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के कारण 8 वर्ष तक जेल में रहे।

### बलवन्त साँवलाराम देशपांडे

- राजस्थान में अमरसर में 1926 में चरखा संघ की स्थापना की थी।

RAJASTHAN CLASSES

# ऐतिहासिक व्यक्तित्व – RAJASTHAN CLASSES

### अमर शहीद पण्डित रमेश

- रमेश स्वामी को बेगार प्रथा के विरोध में बलिदान देना पड़ा।
- जन्म-भरतपुर जिले के भुसावर कस्बे में।

### तेज कवि

- कवि तेज द्वारा रचित पुस्तक "नैना खसम" जैसी रचना लिखना तत्कालीन सामन्ती युग में कवि के साहस एवं हृदय में व्याप्त सुधार की भावना का द्योतक है।
- स्वराज्य बावनी- उन्होंने जन जागरण हेतु बावन पदों की रचना की

### रामनारायण शर्मा

- 1942 की 9 दिसम्बर को रामनारायण ने बीकानेर में सबसे पहले राज्य के सभी प्रतिबन्धों को तोड़कर तिरंगा झण्डा फहराया।
- पाक्षिक पत्र 'क्रान्ति सन्देश' का प्रकाशन

### ऋषिदत्त मेहता –

- बूंदी के स्वतंत्रता सेनानी।
- बूँदी मे राज्य लोक परिषद की स्थापना।
- साप्ताहिक राजस्थान प्रकाशन -ब्यावर से

### भूपेन्द्रनाथ त्रिवेदी –

- बाँसवाड़ा के स्वतंत्रता सेनानी,
- 1939 में इन्होंने बम्बई से एक साप्ताहिक पत्र 'संग्राम' का प्रकाशन शुरू किया।
- आदिवासियों हेतु चेतना लाने का कार्य
- बाँसवाड़ा प्रजामंडल के प्रमुख नेतृत्व कर्ता
- उत्तरदायी लोकप्रिय सरकार में 18 अप्रैल, 1948 को मुख्यमंत्री बनाए गए।

### बेणीमाधव शर्मा –

- 1942 के स्वतंत्रता आंदोलन के सूत्रधार
- कोटा राज्य प्रजामंडल के अग्रणी नेता।

### चन्दनमल बहड़

- चूरू की सर्वहितकारिणी सभा के सदस्य,
- चूरू शहर के मध्य स्थित धर्मस्तूप पर तिरंगा झंडा फहराया, राष्ट्रीय गीत गाए पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त करने का संकल्प दोहराया।
- बहड़ व उनके साथियों ने लंदन में आयोजित दूसरे गोलमेज सम्मेलन के अवसर पर बीकानेर राज्य के अत्याचारों का कच्चा चिट्ठा तैयार कर उसे हजारों नागरिकों के हस्ताक्षर के साथ लंदन पहुँचा दिया।

### बृजमोहन लाल शर्मा

- ब्यावर के मजदूर व दलितों के मसीहा।
- 1955 में उन्होंने अजमेर में मध्यस्थ उन्मूलन अधिनियम लागू किया।
- ब्यावर में 'राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ' की स्थापना।

### पं. नरोत्तम लाल जोशी

- झुंझुनूं निवासी, जयपुर प्रजामंडल मे भाग।
- शेखावटी जकात आंदोलन का नेतृत्व ।
- प्रथम विधानसभा के अध्यक्ष रहे।

### रिसालदार मेहराब खाँ पठान

- करौली में जन्म
- 1857 की स्वतंत्रता क्रांति में कोटा के क्रांतिकारियों का नेतृत्व किया ।

### लाला हरदयाल भटनागर

- जन्म – 1817 को कामा डीग मे
- लाला हरदयाल भटनागर ने 1857 के विद्रोह में कोटा में सक्रिय भूमिका।
- मार्च, 1858 में कैथूनीपोल पर मेजर जनरल राबर्ट्स की सेना के विरुद्ध युद्ध में विद्रोही सेना का नेतृत्व किया और शहीद

RAJASTHAN CLASSES

### रोशन बेग –

- 1857 में कोटा में अंग्रेजो सत्ता के खिलाफ नागरिक एवं सैनिक क्रांति के अग्रणी नेता कोटा स्टेट आर्टिलरी में सेवारत।
- कैथूनीपोल पर मेजर जनरल राबर्ट्स की सेना के विरुद्ध युद्ध करते-करते रोशन वेग मार्च, 1858 में मारे गए।

### बाबा नृसिंहदास –

- स्वाधीनता संग्राम भामाशाह- (नागौर)
- अपने लक्ष्य पूर्ति के लिए तन और मन के साथ ही अपनी पारिवारिक सम्पत्ति भी न्योछावर की।
- 1921 में इन्होंने अपना सारा धन गांधीजी को अर्पित किया

### पं. अभिन्न हरि

- हाड़ौती में स्वतंत्रता आंदोलन के सूत्रधार, जुझारू पत्रकार और ओजस्वी कवि।
- कोटा से "लोक सेवक" साप्ताहिक समाचार पत्र प्रारंभ किया।
- 1941 में ये कोटा राज्य प्रजामंडल के अध्यक्ष
- मूल नाम - बद्रीलाल शर्मा ।

### हरिदेव जोशी

- राजस्थान में बाँसवाड़ा के खाँटू ग्राम के निवासी
- स्वतंत्रता आंदोलन के महान् सेनानी।
- तीन बार राजस्थान के मुख्यमंत्री बने।

### पं. जुगलकिशोर चतुर्वेदी:

- भरतपुर के सेनानी (जन्म-मथुरा)
- उपनाम - 'दूसरा जवाहरलाल नेहरू'
- मत्स्य संघ के उपप्रधानमंत्री रहे।

### गणेशीलाल व्यास 'उस्ताद':

- मारवाड़ के स्वतंत्रता सेनानी
- 21 मार्च, 1907 ई. को जन्म।
- अपने मित्रों के साथ' मारवाड़ यूथ लीग' की स्थापना की।

### राव गोपाल सिंह खरवा:

- अजमेर क्षेत्र के खरवा ठिकाने के राव गोपालसिंह ने स्वतंत्रता आंदोलन में केसरीसिंह बारहठ व अन्य क्रांतिकारियों के साथ तन-मन-धन अर्पित कर दिया।

### मुकुट बिहारीलाल भार्गव

- शाहपुरा, भीलवाड़ा: इनकी वकालत को देखकर हरिभाऊ उपाध्याय ने इन्हें 'राजस्थान का सी.आर. दास' कहा ।

### शंकरदान सामोर

- 1857 ई. की क्रांति के प्रसिद्ध कवि। (चुरू)
- प्रमुख रचनाएँ - 'सगती सुजस', 'वगत वायरो' 'देस दरपण', 'साकेत सतक' और 'शंकरदान सामौर रा सोरठा'

### गोविन्द गिरि

- राजस्थान में वागड़ प्रदेश के भीलों के प्रथम उद्धारक व डूंगरपुर के बाँसिया ग्राम के निवासी, जिन्होंने 'सम्प सभा' की स्थापना करके आदिवासी भीलों में समाज व धर्मसुधार आंदोलन चलाया।

### मोतीलाल तेजावत (बावजी)

- कोल्यारी ग्राम (उदयपुर) मे जन्म
- आदिवासी भीलों को संगठित करने हेतु 'एकी आंदोलन' चलाया था।

### टीकाराम पालीवाल

- जन्म- दौसा जिले में 1907 में
- राजस्थान के प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री
- भूमि सुधारों के जनक ।

RAJASTHAN CLASSES

### भोगीलाल पंड्या

- 'वागड़ प्रदेश के गाँधी' के नाम से विख्यात स्वतंत्रता सेनानी।
- वागड़ क्षेत्र में हरिजन सेवा संघ की स्थापना
- पिछड़े आदिवासी समाज उत्थान हेतु कार्य

### मोहनलाल सुखाड़िया

- राजस्थान के शताब्दी पुरुष, नवनिर्माण के पुरोधा (उदयपुर निवासी)
- सर्वाधिक काल के मुख्यमंत्री (17 वर्ष)
- 38 वर्ष की अल्प आयु में ही किसी प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने वाले प्रथम नेता।
- 2 अक्टूबर, 1959 को पंचायती राज का श्री गणेश।

### बाबू राजबहादुर

- भरतपुर के स्वतंत्रता सेनानी।
- संविधान सभा में मनोनीत किए गए मत्स्य प्रदेश के दो प्रतिनिधियों में से एक श्री राजबहादुर व दूसरे अलवर के श्री रामचन्द्र उपाध्याय थे।

### बाल मुकुन्द बिस्सा-

- जन्म - पीलवा ग्राम डीडवाना में।
- 1934 में आपने जोधपुर आकर चरखा और कताई-बुनाई के रचनात्मक कार्यों का श्रीगणेश किया।
- जवाहर खादी भण्डार की स्थापना- जोधपुर
- 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लेने से 9 जून को जेल की यातनाओं के कारण 19 जून, 1942 को इनका निधन।

### गोकुल जी वर्मा

- भरतपुर की जन-जागृति में योगदान
- 'शेर-ए-भरतपुर' के नाम प्रसिद्ध

### वैद्य मधाराम

- बीकानेर रियासत में 'आजादी के आंदोलन का जनक'
- 1936 में बीकानेर प्रजामंडल की स्थापना।
- दिसम्बर, 1942 में उन्होंने झण्डा सत्याग्रह प्रारम्भ किया।
- वर्ष 1945 में दुधवा खारा किसान आन्दोलन के नेतृत्व को सँभाला और जून, 1945 में गिरफ्तार कर लिए गए।
- अध्यक्ष- बीकानेर राज्य प्रजा परिषद ,1946

### जीतमल पुरोहित' जंगाणी'

- जैसलमेर के पहले व्यक्ति , जिन्होंने 1935 में जैसलमेर में तिरंगा झंडा फहराया
- उपनाम - 'जीता भा'
- जैसलमेर से निर्वासित किए जाने के बाद सन् 1939 से बीकानेर मे जनजागरण

### गणेशीलाल व्यास 'उस्ताद'

- 21 मार्च, 1907 को जन्म।
- मारवाड़ के स्वतंत्रता सेनानी जिन्होंने अनेक समाचार पत्रों में स्वतंत्रता आंदोलन के पक्ष में क्रांतिकारी लेख लिखे।
- इन्होंने अपने मित्रों के साथ 'मारवाड़ यूथ लीग' को स्थापना की।

### शहीद बीरबल सिंह

- रायसिंह नगर (श्रीगंगानगर) के
- बीकानेर के सामंती अत्याचारों का विरोध
- बीकानेर षड्यंत्र केस के बाद बीकानेर प्रजापरिषद के सम्मेलन में पुलिस के आक्रमण से 1 जुलाई, 1946 को ये शहीद।
- 17 जुलाई, 1946 को बीकानेर रियासत में 'बीरबल दिवस' मनाया गया।

### रघुवर दयाल गोयल

- रघुवर दयाल गोयल बीकानेर के प्रथम श्रेणी के वकील थे।
- बीकानेर राज्य प्रजा परिषद नामक एक राजनीतिक संस्था के अध्यक्ष
- जुलाई, 1942 को बीकानेर के काले कानून के तहत इनको गिरफ्तार कर रियासत से निर्वासित कर दिया गया।

RAJASTHAN CLASSES

### पं. ताड़केश्वर शर्मा –

- शेखावाटी किसान आंदोलन के वैचारिक सूत्रधार व प्रचारक
- सरदार हरलाल सिंह, श्री घासीराम एवं श्री नेतराम के साथ मिलकर किसान आंदोलन को प्रभावी नेतृत्व प्रदान किया।
- 1929 ई. में उन्होंने हस्तलिखित समाचार पत्र 'ग्राम' के प्रकाशन द्वारा अत्याचारी सामन्ती शासन के विरुद्ध विचार क्रांति का श्रीगणेश किया।
- 1930 ई. में गांधीजी के सविनय अवज्ञा आंदोलन मे भाग
- 1934 ई. में आगरा से 'गणेश' नामक समाचार पत्र प्रकाशित किया।>

### गुलाबों सपेरा (गुलाबो):

- जन्म- अजमेर के कोटड़ा गाँव के सपेरा परिवार में 1969 में। कालबेलिया नृत्य को विश्व रंगमंच पर प्रतिष्ठा दिलाई।
- वर्ष 2000-01 में इन्हें अकादमी सम्मान प्रदान कर राजस्थान संगीत नाटक अकादमी द्वारा सम्मानित किया गया।

### जानकीलाल भांड :

- बहुरूपिया कला में निष्णात कलाकार। बंदर का स्वांग रचकर 'मंकी मैन' के रूप में देश-विदेश में विशेष ख्याति प्राप्त की।
- 2024 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित

### पं. लक्ष्मण भट्ट तैलंग

- गायक, वादक, रचनाकार, संगीतकार
- ध्रुवपद गायकी के विशेष प्रचारक।
- 2001 से ये 'ध्रुवपद धाम' के संस्थापक, राज्य मे में यह (ध्रुपद) का एकमात्र केन्द्र
- वर्ष 2024 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित

### अहमद हुसैन और मोहम्मद हुसैन

- जयपुर में जन्म
- इन्हें संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए राजस्थान सरकार राज्य पुरस्कार, राजस्थान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, उर्दू अकादमी पुरस्कार, इंदिरा गांधी उपलब्धि पुरस्कार,
- वर्ष 2016 में संगीत नाटक अकादमी संयुक्त पुरस्कार
- 2023 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित

### अली मोहम्मद व गनी मोहम्मद

- बीकानेर के तेजरासर गाँव में जन्म
- मांड गायक बंधु अली एवं गनी मोहम्मद को संगीत के क्षेत्र में ख्याति
- 2024 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित

### रामदयाल शर्मा :

- डीग के रामदयाल शर्मा नौटंकी कलाकार
- 2022 में पद्म श्री और
- 2015 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार

### चंद्रप्रकाश द्विवेदीः

- सिरोही के डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी फिल्म निर्देशक और पटकथा लेखक !
- वर्ष 2022 में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित

### रुकमा देवीः

- बाड़मेर की रुकमा, मांगणियार जाति की पहली ऐसी महिला गायिका हैं, जो सार्वजनिक रूप से गाती हैं।

### अर्जुन-प्रजापति

- जयपुर के मूर्तिकार 2020 को निधन
- उपनाम - 'क्लोनिंग के महारथी'।
- बिल क्लिंटन ने इनको 'मूर्तिकला का जादूगर' कहा
- 'बणी-ठणी' कला को नया रूप देने से 'अर्जुन की बणी-ठणी' के नाम पड़ा
- राज्य का पहला मूर्ति शिल्प संग्रहालय - 'माटी मानस'
- 2010 में पद्मश्री से सम्मानित ।

RAJASTHAN CLASSES

**जगजीत सिंहः**

- जन्म 8 फरवरी, 1941 को गंगानगर में
- पहला एलबम - 'द अनफोरगेटेबल'।
- प्रसिद्ध गायिका चित्रा सिंह उनकी पत्नी हैं।
- इनकी मृत्यु 10 अक्टूबर, 2011 को हुई।

**कोमल कोठारी:**

- राजस्थान की लोक कलाओं को विश्व रंगमंच पर स्थापित करने हेतु महत्त्वपूर्ण कार्य किया। पद्मश्री और पद्मभूषण से सम्मानित । कोमल कोठारी रूपायन संस्थान के सहसंस्थापक थे।

**बेतुल बेगम**

- राजस्थान के जयपुर की प्रसिद्ध मांड गायिका व लोक भजन गायिका हैं। इन्हें अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च 2022) के अवसर पर राष्ट्रीय नारी शक्ति पुरस्कार-2021 से सम्मानित किया गया।

**मधु भट्ट तैलंगः**

- राजस्थान की प्रथम एवं एकमात्र ध्रुपद गायिका। ये जयपुर की है।

**हिसामुद्दीन उस्ताः**

- ऊँट की खाल पर स्वर्ण मीनाकारी
- जन्म - बीकानेर जिले की लूणकरणसर तहसील के डुलमेरा गाँव में 1914 में हुआ।
- 31 मार्च, 1986 को पद्मश्री से सम्मानित

**प. विश्वमोहन भट्ट**

- प्रसिद्ध गिटारवादक। जन्म- जयपुर
- पश्चिमी गिटार में कुछ संशोधन कर उसे 'मोहन वीणा' का रूप दिया है
- संगीत राग 'गौरीम्मा' सृजित की है।

**अल्लाह जिलाई बाई (1902-1992):**

- मांड गायकी - बीकानेर निवासी
- मरुकोकिला के नाम से लोकप्रिय।
- मई, 1987 में इन्होंने लंदन के अल्बर्ट हॉल में अपनी : गायकी से देशी-विदेशी श्रोताओं के दिल पर गहरी छाप छोड़ी।
- जन्म- बीकानेर में फरवरी 1902 में।
- पद्म श्री-
- राजस्थान रत्न पुरस्कार -

**डॉ. वीरबाला भावसारः**

- आदिवासी क्षेत्र बाँसवाड़ा के स्वतंत्रता सेनानी स्व. धूलजी भाई भावसार की पुत्री। इन्होंने पारम्परिक रंग-रेखाओं से हटकर कैनवास पर फेविकोल और रेत के माध्यम को चुना है। ये श्वेत कैनवास पर मात्र रेत से ही मन के भावों को उकेरती हैं।

**किशोरी अमोणकर (जयपुर):**

- अल्लादिया खाँ घराने की प्रसिद्ध संगीत गायिका।

**इला अरुण (जयपुर):**

- राजस्थानी लोकगीतों की मशहूर गायिका।

**गफरुद्दीन मेवाती जोगीः**

- जन्म - 26 सितम्बर, 1962 को डीग मे !
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित भपंग वादक
- 2016 - राजस्थान राज्य सरकार पुरस्कार,
- 2009 -जवाहर कला केन्द्र द्वारा लोक कला सम्मान,
- 1997-राजस्थान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार
- 2022 -संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार

**बसंत काबरा :**

- हिंदुस्तानी वाद्य संगीत 'सरोद' के कलाकार
- जन्म- 9 मई, 1959 को जोधपुर में हुआ।
- बसंत काबरा मैहर सेनिया घराने से हैं।
- पुरस्कार-युवा रत्न पुरस्कार (1985), 2012 - मारवाड़ संगीत रत्न पुरस्कार,

RAJASTHAN CLASSES

2022-संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार

### दौलतराम वैद

- रंगमंच कला (प्रकाश व्यवस्था) से संबंध
- जन्म 3 अक्टूबर, 1967 को जयपुर में
- लाइटिंग डिजाइनर व नाटक लेखक
- कृतियाँ- बेहद नफरत के दिनों में, एक अनजान औरत का खत, आकाश के नीचे घर और अंधेरा
- पुरस्कार- नुक्कड़ नाटक पुरस्कार, युवा रत्न पुरस्कार, 2022 मे संगीत नाटक अकादमी

### मोइनुद्दीन खान :

- प्रसिद्ध सारंगी वादक ,जन्म- जयपुर में
- पुरस्कार - राजस्थान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, पद्मश्री पुरस्कार एवं वर्ष 2023 का संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार

### पृथ्वीराज राठौड़

- बीकानेर नरेश राव कल्याणमल व रानी भगतादे सोनगरी के पुत्र, रायसिंह के भाई
- मुगल सम्राट अकबर के कृपापात्र ।
- बादशाह ने इन्हें गागरोन का किला दिया
- 'पीथल' नाम से रचना करते थे।
- डिंगल भाषा के प्रमुख ग्रंथ हैं- वेलि क्रिसन रुक्मणी री, दसम भागवतरा दूहा, गंगा-लहरी, बसदेरावउत, दसरथरावउत, कल्ला रायमलोत री कुंडलियाँ आदि।
- 'वेलि क्रिसन रुक्मणी री' मे श्रीकृष्ण रुक्मणी के विवाह की कथा का वर्णन है। यह ग्रंथ श्रृंगार रस प्रधान है। दुरसा आढ़ा ने इस ग्रन्थ को पाँचवाँ वेद व 19वाँ पुराण कहा है।

### महाकवि बिहारी

- मिर्जाराजा जयसिंह के दरबारी कवि,
- कृति- 713 दोहों की 'बिहारी सतसई'

### कवि चंदवरदाई

- पृथ्वीराज चौहान के सामंत व राजकवि । पिंगल में प्रसिद्ध महाकाव्य 'पृथ्वीराज रासो' की रचना की।

### नरपति नाल्ह

- प्रमुख रचना - बीसलदेव रासो (एक प्रेम मूलक काव्य): ग्रंथ में अजमेर के चौहान शासक बीसलदेव (विग्रहराज चतुर्थ-12वीं शती का उत्तरार्द्ध) एवं उनकी रानी राजमती की प्रेमगाथा का वर्णन है। बीसलदेव रासो में 216 छंद हैं। इसमें चार खंड हैं। इसकी भाषा गुजराती-राजस्थानी का मिश्रण है।

### श्रीधर व्यास

- इडर राजा रणमल के समकालीन ।
- ग्रन्थ- 'रणमल छंद' । यह 70 छंद का एक वीर काव्य है। इसमें पाटन के सूबेदार जफर खाँ एवं इंडर के राठौड़ राजा रणमल के युद्ध (विसं 1454) का वर्णन है। हार- जफर खाँ
- अन्य रचना - दुर्गा सप्तशती

### शिवदास गाडण:

- रचना - अचलदास खींची री वचनिका (1430-35) डिंगल ग्रन्थ में मांडू के सुल्तान होशंगशाह: एवं गागरोन के शासक 'अचलदास खींची' के मध्य हुए युद्ध (सन् 1423 ई.) का वर्णन है एवं इसमें खींची शासकों की संक्षिप्त जानकारी दी गई है। शिवदास गाडण अचलदास खींची के आश्रित कवि थे। वे स्वयं इस युद्ध में उपस्थित थे। 'अचलदास खींची री वचनिका' चारणों द्वारा रचित गद्य साहित्य की प्रथम रचना है। इनकी भाषा डिंगल है। डॉ. टैस्सीटोरी ने इस वचनिका को युद्ध की समकालीन रचना बताया है।

RAJASTHAN CLASSES

दुरसा आढ़ाः

- इनकी रचनाओं में मेवाड़ के राणा प्रताप, राव चन्द्रसेन और राव सुरताण के देश प्रेम का ओजस्वी भाषा में चित्रण किया गया है।
- 'विरुद छहत्तरी, 'किरतार बावनी', 'झूलणा राव अमर सिंह गजसिंहहोत रा'
- आबू में अचलगढ़ के अचलेश्वर मंदिर में नंदी के पास इनकी पीतल की मूर्ति है।
- विरुद छहत्तरी महाराणा प्रताप की शौर्य गाथा है
- किरतार बावनी में उस समय की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का वर्णन

माला साँदूः

- बीकानेर के राजा रायसिंह के समकालीन।
- रचनाएँ- 'रायसिंह री वेलि', 'झूलणा महाराजा रायसिंह रा', 'झूलणा अकबर पातसाहजी रा', 'गीत राव सुरताण रो' !

डॉ. शक्तिदान कविया:

- राजस्थानी डिंगल भाषा के रचनाकार
- निधन-13 जनवरी, 2021 को
- सूर्यमल्ल मिश्रण पुरस्कार व साहित्य अकादमी पुरस्कार
- रचना- संस्कृति री सोरम, धोरां री धरोहर, सपूतां री धरती ।

कवि कल्लोलः

- ढोला मारू रा दूहा ग्रंथ (1530) में । इसमें ढोला और मारवणी के 'प्रेमाख्यान' का वर्णन है। यह डिंगल भाषा का पहला काव्य ग्रंथ है। यह राजस्थान का जातीय काव्य है। यह श्रृंगार रस का ग्रंथ है।

कवि जोधराजः

- नीमराणा महाराजा चंद्रभान के आश्रित कवि
- ग्रंथ 'हम्मीर रासो' लिखा था। ' हम्मीर रासो' एक वीर रस प्रधान लगभग 1000 छंदों का काव्य ग्रंथ है, जिसमें रणथम्भौर शासक राणा हम्मीर देव चौहान की वंशावली व उनका अलाउद्दीन खिलजी से युद्ध का विस्तृत वर्णन है।

अवनि लेखरा (जयपुर-निशानेबाज):

- अवनि लेखरा ने पेरिस पैरालम्पिक, 2024 में R-2 महिला 10 मीटर एयर रायफल शूटिंग स्टैंडिंग SH-1 वर्ग में
- 2020 में टोक्यो में आयोजित पैरालम्पिक खेलों में 10 मी. एयर रायफल शूटिंग स्टैंडिंग SH-1 वर्ग में स्वर्ण पदक एवं 50 मी. रायफल शूटिंग में कांस्य पदक जीता।
- एक ही ओलम्पिक में दो पदक प्राप्त करने वाली एवं ओलंपिक में तीन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी
- पैरालम्पिक गोल्ड मैडल जीतने वाली प्रथम भारतीय महिला खिलाड़ी।
- दूसरे खेलो इंडिया पैरा गेम्स, 2025 में स्वर्ण पदक ।
- इन्हें 31-8-2021 को 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना की ब्रांड एंबेसेडर मनोनीत किया गया है।
- वर्ष 2021 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार एवं वर्ष 2022 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- इन्हें हार्पर्स स्पोर्ट्स वूमैन ऑफ द ईयर अवॉर्ड 2024 से मुंबई में 26 नवंबर, 2024 को सम्मानित किया गया।
- अंतरराष्ट्रीय पैरालम्पिक समिति द्वारा इन्हें वर्ष 2021 में 'बेस्ट फीमेल डेब्यू' पैरालम्पिक पुरस्कार से सम्मानित ।

सुन्दर सिंह गुर्जरः

- करौली (राजस्थान) के सुन्दरसिंह गुर्जर ने पुरुषों की जैवलिन थ्रो F46 स्पर्धा में टोक्यो पैरालम्पिक (2020) व पेरिस पैरालम्पिक (2024) में कांस्य पदक जीता। गुर्जर ने वर्ष 2017 में लंदन में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में जैवलिन

RAJASTHAN CLASSES

श्रो F46 स्पर्धा में भारत के लिए पहला स्वर्ण जीता था। गुर्जर को 2018 में अर्जुन पुरस्कार व महाराणा प्रताप पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

### राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़

- (जैसलमेर-निशानेबाजी):
- इन्होंने 2002 में मानचेस्टर में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में व्यक्तिगत एवं युगल श्रेणियों में स्वर्ण पदक जीते।
- 2006 में मेलबोर्न में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में व्यक्तिगत स्पर्द्धा में स्वर्ण एवं युगल श्रेणी में रजत पदक जीता।
- 2004 में एथेन्स में आयोजित ओलंपिक खेलों में निशानेबाजी की डबल ट्रेप स्पर्द्धा में रजत पदक जीता। >
- 2008 में बीजिंग (चीन) में आयोजित ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में भारत के ध्वजवाहक बने थे।

### दिव्यकृति सिंहः

- नागौर निवासी । - घुड़सवारी
- इन्होंने चीन के हांग्जो में आयोजित, 2022 एशियाई खेलों में घुड़सवारी की ड्रेसेज टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।
- 2023 मे घुड़सवारी में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित होने वाली पहली भारतीय महिला हैं।
- इन्होंने टाइम्स ऑफ इण्डिया स्पोर्ट्स अवार्ड्स (2023) इक्वेस्ट्रियन राइडर ऑफ में आयोजित एशियाई खेलों में भारत का प्रथम व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता था।
- 2006 में दोहा (कतर) एशियाई खेलों में अपना पहला रजत पदक जीता।
- 2014 में वर्ष 2008 में अर्जुन पुरस्कार एवं 2013 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित

### बजरंग लाल ताखर

- (सीकर-नौकायन) : इन्होंने 2010 में ग्वांग्झू (चीन) पैरालम्पिक में पुरुष एकल- SH6 श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता था।
- विश्व चैम्पियनशिप 2019 में पुरुष एकल में कांस्य पदक एवं पुरुष जोड़ी में रजत पदक विजेता रहे।
- इन्होंने 2018 में जकार्ता में आयोजित एशियाई पैरा खेलों में पुरुष एकल श्रेणी में कांस्य पदक जीता।
- 2021 - मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार

### कृष्णा नागरः

- (जयपुर-पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी): इन्होंने 2020 में टोक्यो इनको सैन्य सेवा के दौरान 'अतिविशिष्ट सेवा पदक' से भी सम्मानित किया गया था।
- वर्तमान में ये राजस्थान सरकार में उद्योग व वाणिज्य एवं युवा मामले व खेल मंत्रालय में कैबिनेट मंत्री हैं।
- वर्ष 2005 में पद्मश्री,
- 2005- मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार
- 2003 में अर्जुन पुरस्कार

RAJASTHAN CLASSES

https://t.me/rajasthanclasses

Click Here

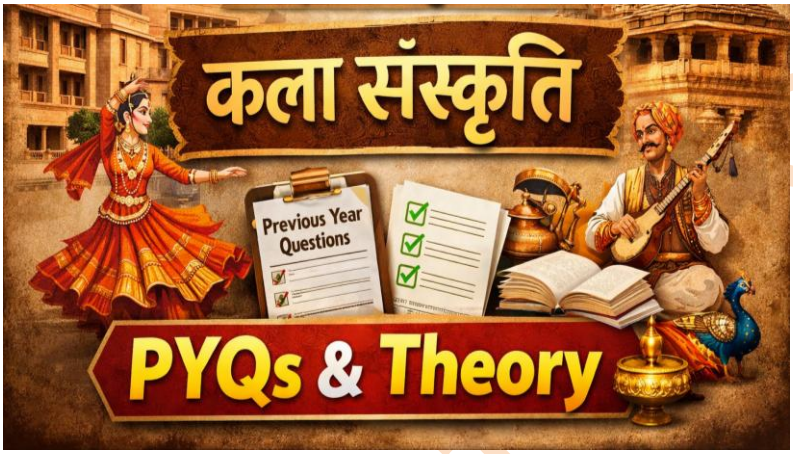


https://play.google.com/store/apps/details?id=com.rajasthan360.app&hl=hi

Click Here

https://www.youtube.com/@RAJASTHANCLASSES/videos

Click Here